मैदानी स्कूल

अवि

चित्र: बिल फ़ार्न्स

मैदानी स्कूल

अवि

चित्र: बिल फ़ार्न्स
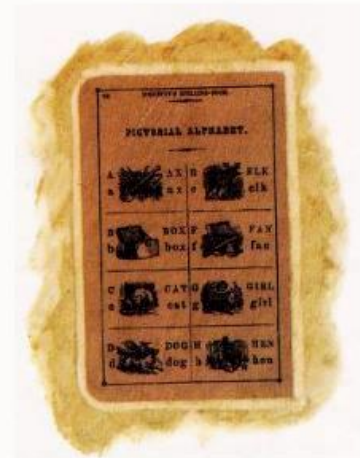
अध्याय एक

नई ज़मीन

1880 में बिडसन परिवार, मेन में अपने खराब हो चुके खेत से कोलोराडो के नए राज्य में चले गए.

वहाँ, लुढ़कती हुई घाटियों पर, उन्होंने एक कच्ची ईंटों का घर बनाया, मिट्टी की जुताई की, बीज बोए और गेहूँ की कटाई की.

नोआह, जो नौ वर्ष का था, सभी कामों में मदद करता था. वो पानी ढोता और जानवरों को खिलाता था. वो सुनिश्चित करता कि उनका घर सांपों से मुक्त रहे और चूल्हे की आग हमेशा जलती रहे.

उसने बार-बार घोड़े पर चढ़कर मैदानी इलाके यानि प्रेयरी का चक्कर लगाया. वो किसी पक्षी जैसे मुक्त था. वो उस मैदानी इलाके से बहुत प्यार करने लगा था.
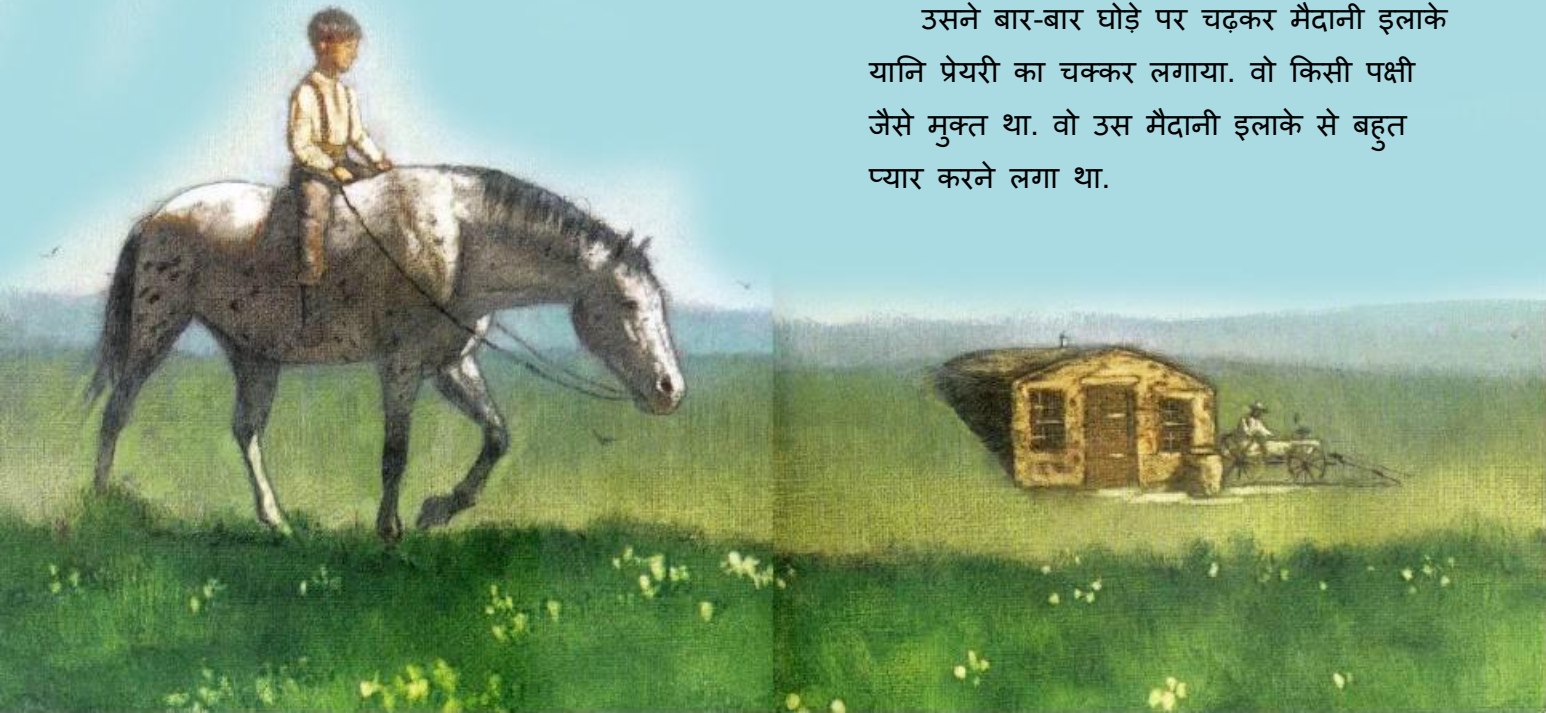
एक दिन मिसेज़ बिडसन ने अपने बेटे से कहा, "नोआह, हमारे यहाँ एक मेहमान आने वाली हैं."

"कौन?" नोआह नेपूछा.

"मेरी बहन और तुम्हारी मौसी डोरा."

"आपने बताया था कि वो एक स्कूल में पढ़ाती हैं."

"वो तुम्हें स्कूली शिक्षा देने यहाँ आ रही है."

"स्कूली शिक्षा!" नोआह ने कहा. "क्या मैं आपके और पिताजी जितनी मेहनत नहीं करता हूँ?"

"नोआह," मिस्टर बिडसन ने कहा, "तुम्हारी माँ और मैं मुश्किल से पढ़-लिख सकते हैं. हम चाहते हैं कि तुम हमसे बेहतर बनो."

नोआह कच्ची ईंटों के घर से बाहर निकला. मैदान से उसने आकाश की ओर देखा. "मैदानी इलाके में पढ़ना सीखना उतना ही उपयोगी है जितना कि सितारे हैं!" उसने कहा.

अध्याय 2

मौसी डोरा

दो महीने बाद नोआह और उसकी माँ अपनी वैगन से निकटतम रेलवे स्टॉप तक गए. वो घर से पच्चीस मील दूर था. लेकिन जब ट्रेन रुकी तब उसमें से कोई नहीं उतरा.

नोआह मुस्कुराया. "लगता है आंटी डोरा समझदार हो गईं हैं और वो नहीं आईं हैं."

फिर बैगेज कार से एक व्हीलचेयर को उतारा गया. दो लोगों ने एक महिला को एक यात्री कार से उतारकर व्हीलचेयर में बिठाया.

"डोरा!" मिसेज़ बिडसन चिल्लाईं. "तो वो आप हैं?"

"हाँ, मैं ही हूँ," मौसी डोरा ने कहा.

"लेकिन यह आपको क्या हुआ?" उनकी बहन ने पूछा.

"तुम्हारे पश्चिम जाने के तुरंत बाद, एक छोटी गाड़ी जिसे मैं चला रही थी, वो पलट गई. उसके बाद से मैंने अपने पैरों का उपयोग खो दिया. मैंने उसके बारे में लिखा नहीं क्योंकि मैं नहीं चाहती थी कि तुम मेरी चिंता करो. पर अब मैं ठीक हूं. तुम्हारा पत्र एक आशीर्वाद जैसे आया. क्योंकि मुझे एक बदलाव की सख्त जरूरत थी."

मिसेज़ बिडसन ने अपनी बहन को गले लगाया.

"और वो मेरा छात्र होगा," मौसी डोरा ने नोआह की ओर देखकर कहा.

"नोआह," उन्होंने पूछा, "क्या तुम कुछ सीखने को तैयार हो?"

"इस मैदानी इलाके में स्कूली शिक्षा की कोई ज़रुरत नहीं है," नोआह ने कहा.

"इसका मतलब है कि तुम जरूर तैयार हो!" मौसी डोरा ने हँसते हुए कहा.

फिर दोनों बहनों ने अपने परिवार के बारे में बातें कीं. नोआह ने एक शब्द भी नहीं कहा.
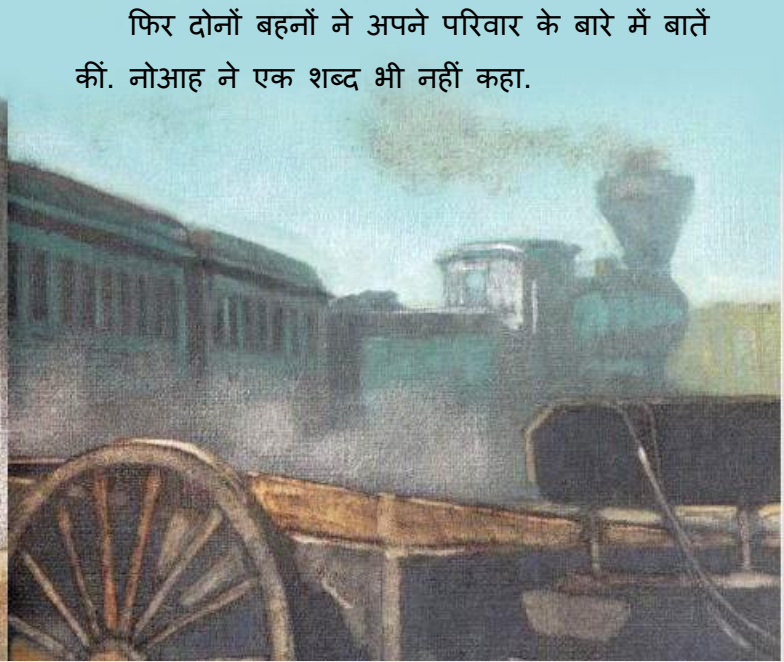
अध्याय 3

एक हफ्ता

सोमवार

मौसी डोरा ने ईंट के कच्चे घर में अपना स्कूल स्थापित किया. घर में अँधेरा होने के कारण वहाँ एक लैम्प जलाया गया.

लेकिन तभी नोआह दो मील दूर नाले से पानी लेने चल गया. उसने वापस आने में भी काफी देर लगाई.

जब वो आया तो मौसी डोरा ने उस अक्षर की ओर इशारा किया जो उन्होंने बोर्ड पर लिखा था. मौसी ने कहा. "कृपया इसे दोहराओ."

"ए," नोआह ने कहा. फिर वो खड़ा हो गया और उसने बहाना बनाया. "मौसी डोरा, आज मैं मुर्गियों को खाना खिलाना भूल गया हूँ."

मंगलवार

जब नोआह अपने सुबह के काम से वापस आया, तो वो अपनी कुर्सी पर बैठ गया. वो कुछ बेचैन लग रहा था.

ब्लैकबोर्ड पर मौसी डोरा ने "बी" अक्षर लिखा था. "यह अक्षर 'बी' है," उन्होंने कहा. "क्या तुम इसे पढ़ सकते हो?"

तभी नोआह ने सामने के आँगन में एक साँप देखा. "उस सांप को हटाना जरूरी है!" वो चिल्लाया. फिर वो उस दिन वापस ही नहीं आया.

बुधवार

मौसी डोरा ने बोर्ड पर वर्णमाला लिखी. उन्होंने एक छड़ी से अक्षरों की ओर इशारा किया. "नोआह, क्या तुम इनमें अपने नाम के अक्षर ढूंढ सकते हो?"

"नहीं."

"नोआह, क्या तुम बिल्कुल पढ़ना नहीं चाहते?"

"इस मैदानी इलाके में पढ़ने के लिए कुछ भी नहीं है," उसने कहा.

गुरुवार

जब भी मौसी डोरा ने सिखाने की कोशिश की, नोआह ने हर बार किसी काम का बहाना बनाया. फिर उसने उस काम को बहुत धीरे-धीरे किया.
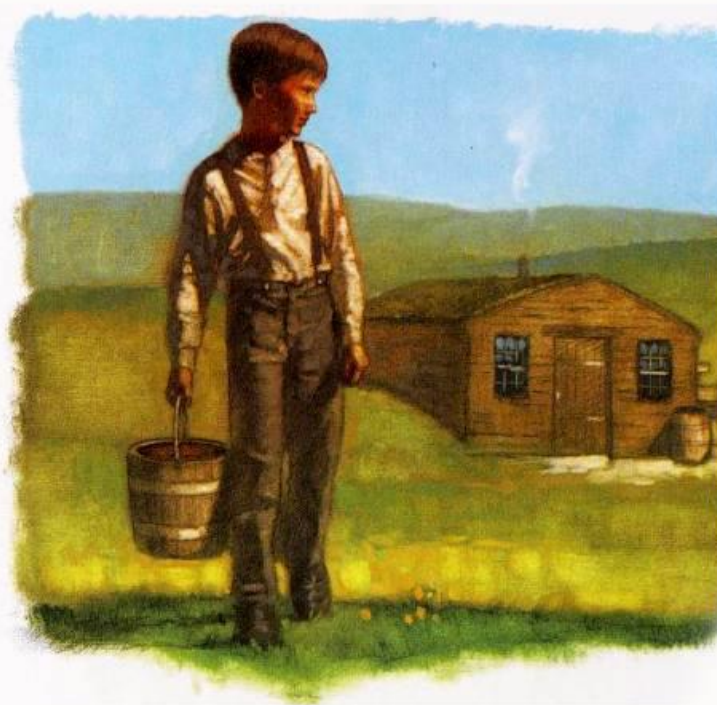
शुक्रवार

मौसी डोरा ने बोर्ड पर नंबर लिखे. "क्या तुम गिनना सीखना चाहोगे?" उन्होंने पूछा.

"मौसी डोरा," नोआह ने कहा, "अंदर बहुत गर्म और अंधेरा है."

"नोआह." मौसी डोरा ने कहा, "तुम उतने ही जिद्दी हो, जितना एक खच्चर होता है."

शनिवार

मौसी डोरा बहुत परेशान थीं. वो आज कुछ भी पढ़ाना नहीं चाहती थीं.

रविवार

"मुझे डर है कि मेरा पढ़ाने का तरीका यहाँ काम नहीं करेगा," मौसी डोरा ने अपनी बहन और बहनोई से कहा.

"डोरा," उनकी बहन ने विनम्रता से कहा, "यहाँ का जीवन बहुत अलग है."

"और मुझे डर है," मिस्टर बिडसन ने कहा, "हमारा नोआह एक सामान्य मैदानी लड़का बन गया है."

वो सुनकर डोरा हँस पड़ी. "अब मुझे समझ में आया कि मुझे क्या करना चाहिए!"
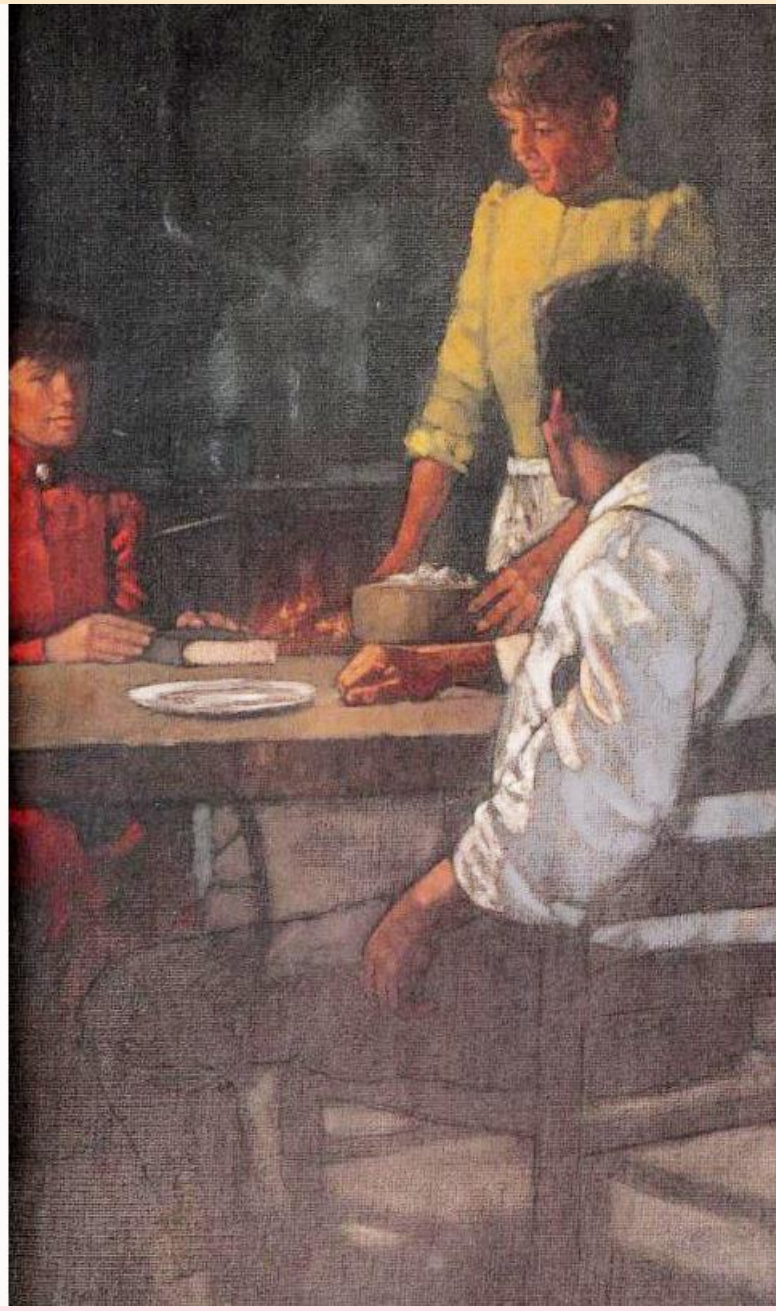
अध्याय 4

मैदानी स्कूल

अगली सुबह जब नोआह पानी भरकर लौटा तब मौसी डोरा खुद कच्चे घर से बाहर निकल आईं. उनकी गोद में एक किताब रखी थी.

"नोआह," मौसी डोरा ने कहा, "तुम मेरी व्हीलचेयर को चारों ओर धकेलो और मुझे घुमाओ. मैं तुम्हारे मैदानी इलाके यानि प्रेयरी को देखना चाहती हूँ."

"यहाँ की जमीन समतल नहीं है," नोआह ने चेतावनी दी. व्हीलचेयर ऊंची-नीची ज़मीन पर चलेगी या नहीं उसे उस बात पर शक था.

"ठीक है, तो, तुम मुझे व्हीलचेयर से अच्छी तरह बाँध दो."

जब नोआह ने मौसी डोरा को प्रेयरी के ऊपर धकेला, तो कुर्सी उछली और लुढ़की. लेकिन मौसी डोरा ने उसे पकड़े रखा.

"बाहर तो बहुत सुंदर है," डोरा ने कहा. “अच्छा, उस पीले फूल का नाम क्या है?"

नोआह ने अपने कंधे उचकाए.

मौसी डोरा ने अपनी किताब में देखा. "वो एक ‘डॉगटूथ वायलेट’ फूल है," उन्होंने पढ़ते हुए कहा. "वो इस क्षेत्र की एकमात्र लिली है. वो एक बल्ब से उगती है. इंडियंस इस बल्ब को उबालते हैं और उसे खाते हैं."

नोआह हैरान था. "क्या वो सच है?" उसने पूछा.

आंटी डोरा ने किताब के पन्ने की ओर इशारा किया. "यही तो इस किताब में लिखा है. अब मुझे प्रेयरी का कुछ और भाग दिखाओ," उन्होंने कहा.

पूरे दिन नोआह ने मौसी को इधर-उधर घुमाया. पूरे दिन मौसी डोरा ने जो कुछ देखा उसके बारे में सवाल पूछे. नोआह ने उन्हें वो सबकुछ बताया जो वो जानता था. फिर हर बार मौसी डोरा ने अपनी किताब में देखा और नोआह को उसके बारे में पढ़कर बताया.

नोआह हैरान था. "मौसी डोरा, आप इतना अधिक कैसे जानती हैं."

"मैं पढ़ने में काफी होशियार हूँ," मौसी ने कहा.

अध्याय 5

सितारे

उस रात मौसी डोरा ने नोआह से उन्हें बाहर ले जाने को कहा. रात का आसमान तारों से भरा था.

"नोआह," मौसी डोरा ने कहा, "तुम वहाँ क्या देख रहे हो?"

"तारे," नोआह ने कहा.

"मैं भी तारे देख रही हूं. लेकिन मैं उनमें चित्र भी देख रही हूं."

"चित्र? कहाँ?"

"देखो वहाँ आसमान में पराक्रमी योद्धा हरक्यूलिस है. देखो, वो एक साँप है. वहाँ बिग डिपर यानि सप्तऋषि है. और उसके पास ही लिटिल डिपर है."

नोआह ने कहा. "क्या आप मुझे यह बता रही हैं कि आपने वो सब कुछ उस किताब से सीखा है?"

"किताबें पढ़ने से ही मुझे वो सब समझने में मदद मिलती है जिसे मैं देखती और सुनती हूं."

नोआह ने सिर झुका लिया. "पर यहाँ मैदानी इलाके या प्रेयरी में किताबें उपलब्ध ही नहीं हैं."

"मेरा एक संदूक किताबों से भरा है."

नोआह ने कुछ नहीं कहा.

"नोआह," मौसी डोरा ने धीरे से कहा, "पढ़ना सीखो और फिर तुम एक दिन प्रेयरी को भी पढ़ पाओगे. तुम्हें उसके बारे में क्या कहना है?"

एक पल के बाद नोआह ने कहा,
"मैं वो करने की कोशिश ज़रूर कर सकता हूँ."
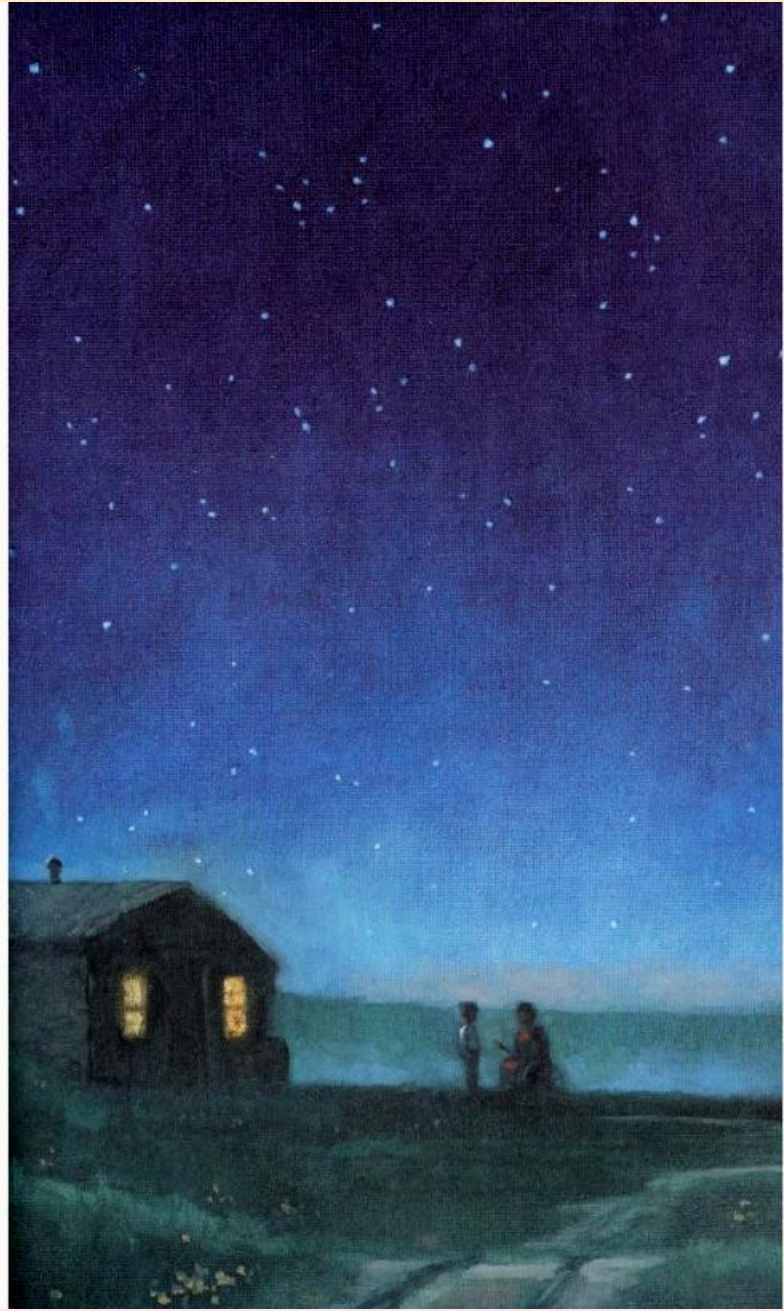
अध्याय 6

सीखना

अगली सुबह, तेज धूप में, नोआह, मौसी डोरा के पैरों के पास बैठ गया.

मौसी डोरा ने उसे एक किताब सौंपी. "यह एक प्राइमर है," उन्होंने कहा. "तुम्हारी पहली किताब."

नोआह ने किताब खोली.

PICTORIAL ALPHABET.

A a	AX ax		E e	ELK elk	
B b	BOX box		F f	FAN fan	
C c	CAT cat		G g	GIRL girl	
D d	DOG dog		H h	HEN hen	
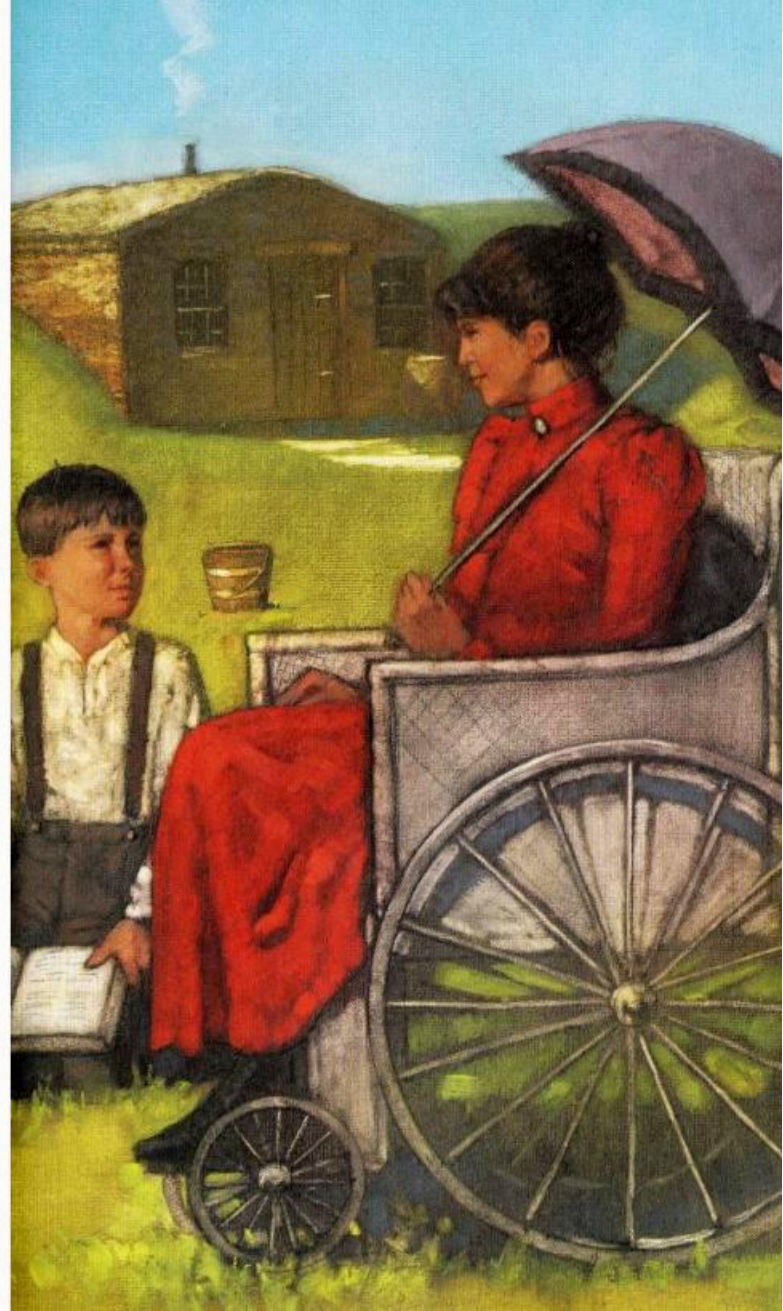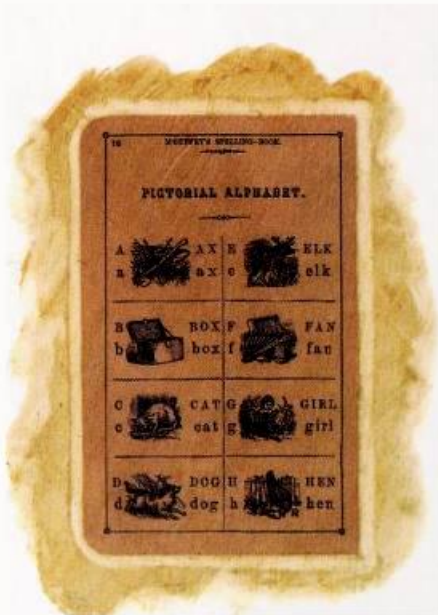
नोआह घबरा कर खड़ा हो गया. धीरे-धीरे, उन्होंने छब्बीसों अक्षरों को मुंह ज़ुबानी सुनाया.

"क्या मैंने उन सभी को सीख लिया है?" उसने मौसी डोरा से पूछा.

"हाँ बिल्कुल."

उससे मिस्टर बिडसन इतने उत्साहित हुए कि उन्होंने अपनी मुट्ठी को ज़ोर से मेज पर मारा. मिसेज़ बिडसन ने खुशी से ताली बजाई.

उस सप्ताह मौसी डोरा ने नोआह को एक स्लेट पर अक्षर सीखने और लिखने का काम दिया. कई बार नोआह ने इतनी मेहनत की, कि उसके हाथ और सिर में दर्द होने लगा. सप्ताह के अंत में मौसी डोरा ने एक घोषणा की, "अब नोआह सभी अक्षर जानता है."
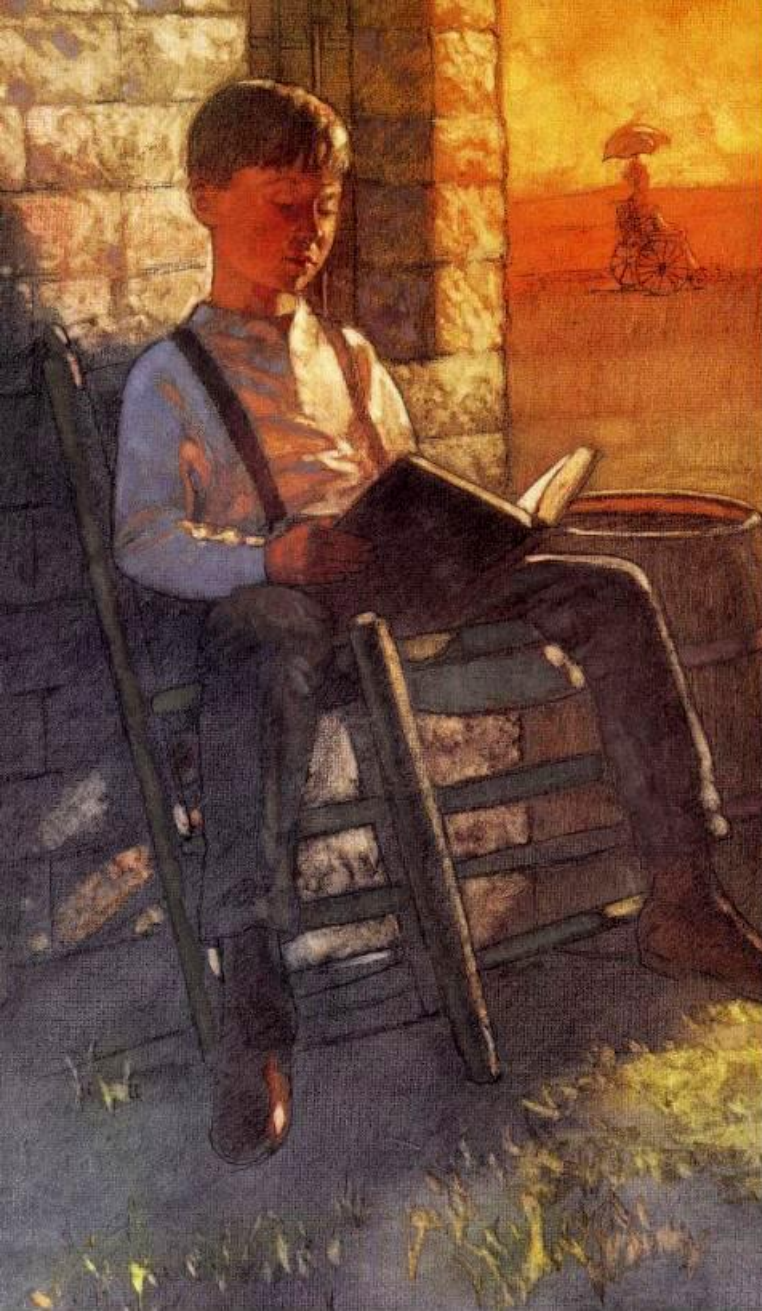
अध्याय 7

अच्छा भाग्य

अब नोआह का जीवन बदल गया था. वो अभी भी घर के कुछ काम करता था. लेकिन माता-पिता बाकी काम करते थे ताकि उनका नोआह सीखने में अधिक समय बिता सके.

कुछ दिन नोआह ने उन पुस्तकों से पढ़ा जो डोरा मौसी अपने साथ लाई थीं. अन्य दिनों में मौसी ने नोआह से उन्हें प्रेयरी में बाहर ले जाने को कहा. वहाँ मौसी ने नोआह को कविताएँ और कहानियाँ पढ़कर सुनाईं. कभी-कभी वो उसे वहाँ की जमीन के बारे में तथ्य पढ़कर सुनाती थीं. अधिकतर समय मौसी, नोआह से ही पढ़ने को कहती थीं.

दो महीने बाद वे एक पहाड़ी के ऊपर से जा रहे थे, तभी मौसी डोरा चिल्लायीं, "रुको!"

"क्या बात है?" नोआह ने पूछा.

मौसी डोरा ने इशारा किया. "एक फूल है जिसे हमने पहले कभी नहीं देखा है. वो क्या है?" उन्होंने नोआह को अपनी फूलों वाली किताब दी.

नोआह ने फूल की ओर देखा, फिर उसने पुस्तक खोली. "इसे 'प्रेयरी बेल' कहते हैं," उसने धीरे-धीरे पढ़ा. "यह फूल साल में सिर्फ एक बार ही खिलता है. जो लोग इसे देखते हैं वो बड़े भाग्यशाली होते हैं."

मौसी डोरा हँस पड़ी. "अब, नोआह, अगर तुमने इसे नहीं पढ़ा होता, तो तुम यह कभी नहीं जान पाते कि तुम अपने पूरे जीवन भर सौभाग्यशाली रहोगे!"

चार महीने बाद मौसी डोरा ने नोआह को जीवन का "द साल्म ऑफ़ लाइफ" नामक एक कविता को ज़ोर से पढ़ने को कहा.

जब नोआह ने पढ़ना समाप्त किया, तो मिस्टर बिडसन ने कहा, "वो सबसे शक्तिशाली कविता है जिसे मैंने कभी सुना है." उनकी आंखों में आंसू थे.

मिसेज़ बिडसन ने नोआह को गले लगाया. फिर उन्होंने अपनी बहन को भी गले लगाया.

उस रात नोआह बिस्तर पर लेटा था. वो बहुत उत्साहित था और उसे नींद नहीं आ रही थी. उसने अपनी माँ को यह कहते हुए सुना, "हमारा नोआह हमसे कहीं अधिक चतुर होने वाला है."

"मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है," उसके पिता ने कहा.
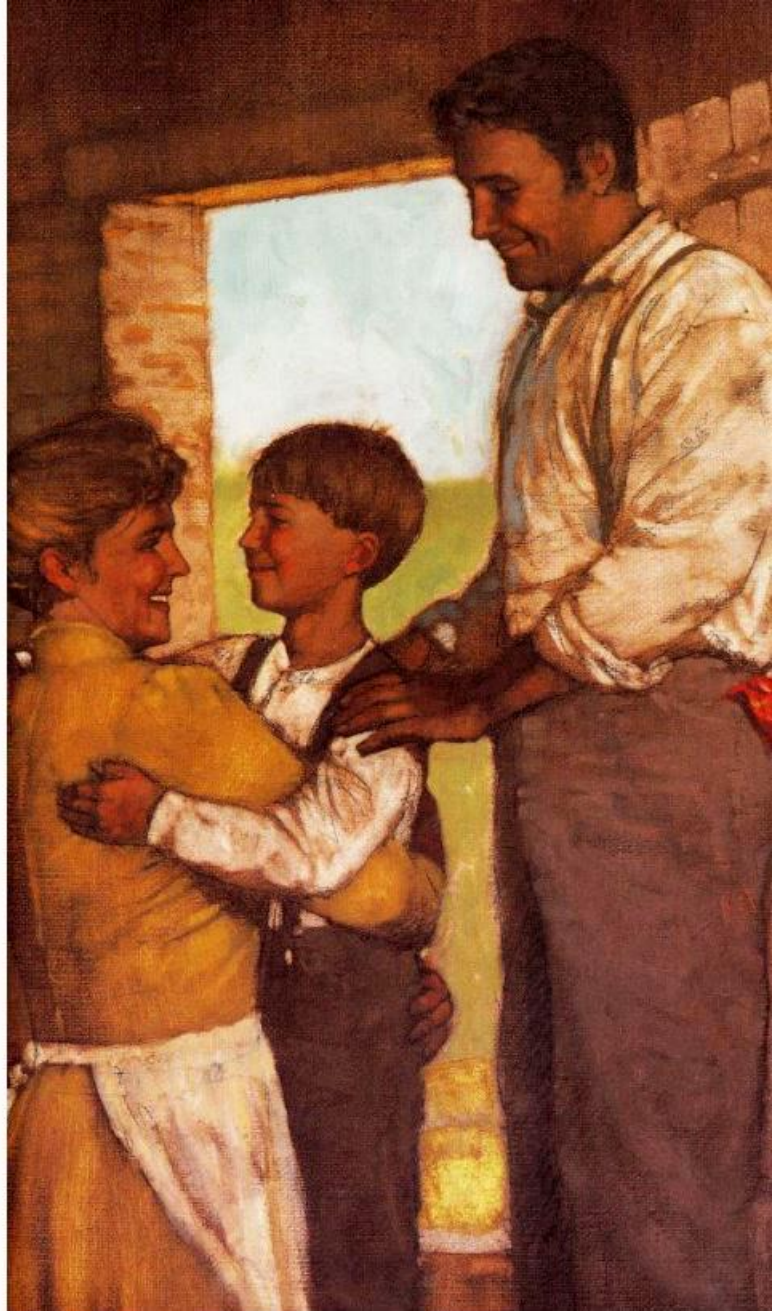
तब से नोआह हमेशा रात के खाने के बाद परिवार को कुछ पढ़कर सुनाता था. कभी-कभी वो कोई कविता होती थी, या किसी कहानी या इतिहास की किताब का एक अध्याय. कभी-कभी वो बाइबल का एक अंश होता था.

शुरू में वो धीरे-धीरे पढ़ता था. अक्सर, उसे शब्द पढ़ने में मौसी डोरा से मदद की ज़रूरत होती थी. लेकिन दिन-ब-दिन वो बेहतर होता जा रहा था.

कभी-कभी नोआह अपने पढ़ने से इतना खुश होता था कि वो बाहर घूमता था और सितारों को निहारता था. तब उसे ऐसा लगता था जैसे सभी तारों में चित्र छिपे हों.

अध्याय 8
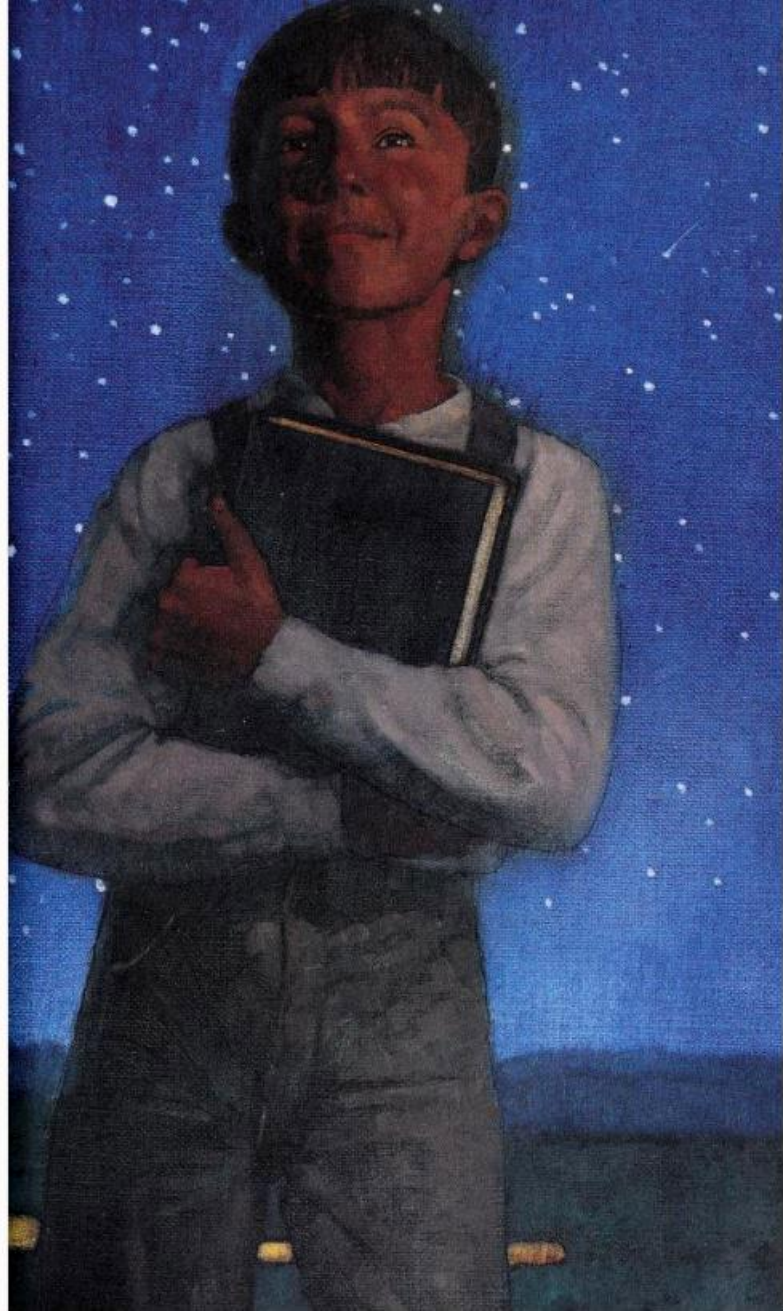
अंतिम पाठ

एक रात मौसी डोरा और नोआह बाहर तारों को निहार रहे थे.

"मौसी डोरा," नोआह ने कहा, "मुझे एक नया नक्षत्र मिला है."

"कौन सा?"

"उसे 'व्हीलचेयर' कहते हैं और आप उसमें बैठी हैं. देखिए, यह रहे वे सितारे." उसने उनका नाम बताया.

"नोआह बिडसन!" मौसी डोरा हँस पड़ी. "अब जब तुम मुझे स्वर्ग में भी देख रहे हो, तो मुझे लगता है कि अब मेरा घर जाने का समय आ गया है."
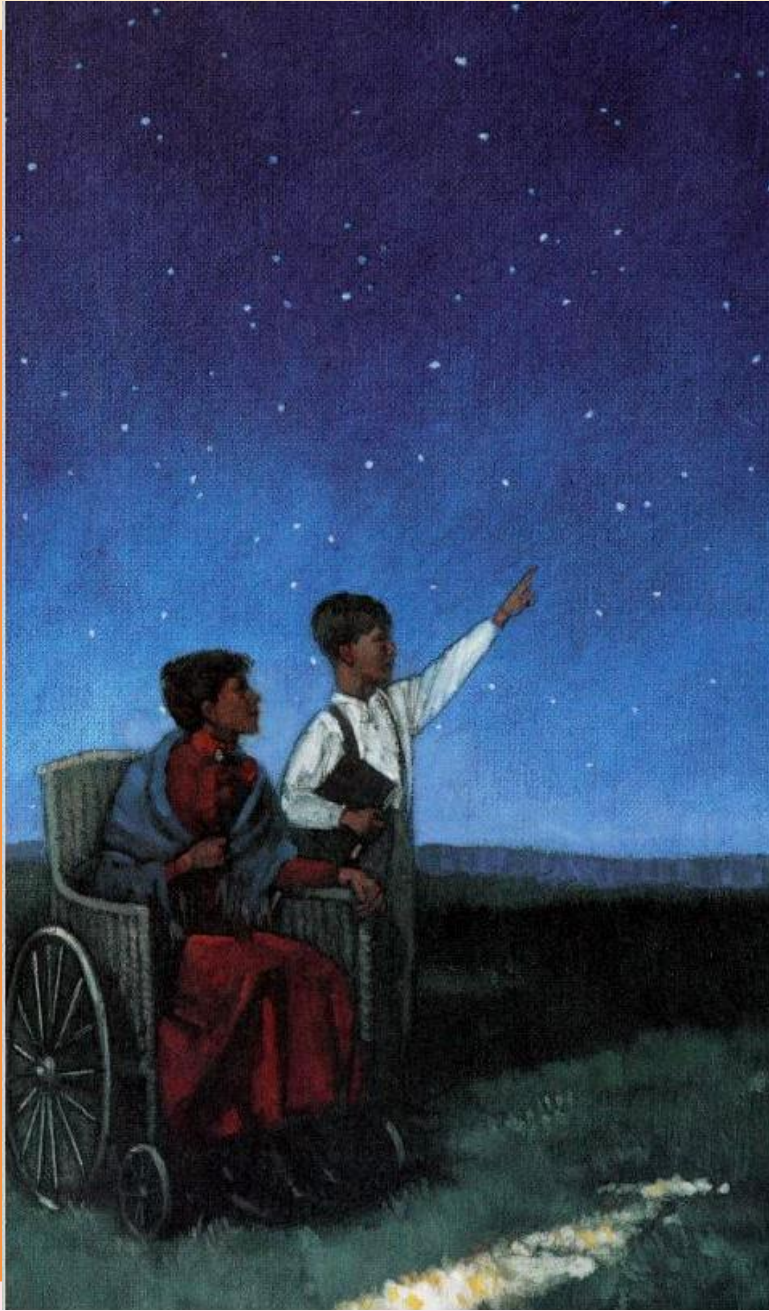
"मौसी डोरा, मैं चाहता हूं कि आप यहीं रहें और मुझे और सिखायें."

"लेकिन सर्दी शुरू होने से पहले मेरा घर जाना जरूरी है," उन्होंने कहा. "तुमने एक अच्छी शुरुआत की है, नोआह. अब तुम खुद ही अपने सबसे अच्छे शिक्षक हो."

नोआह विचारशील हो गया. "मौसी डोरा, क्या मैं आपसे दो प्रश्न पूछ सकता हूँ?"

"बेशक."

"क्या व्हीलचेयर में हर समय रहना मुश्किल होता है?"

"हाँ."

"यदि आप अपनी सारी किताबें और पढ़ना छोड़कर अपने पैरों से काम कर सकें, तो क्या आप ऐसा करेंगी?"

मौसी डोरा चुप थी. फिर उन्होंने कहा, "नोआह, किताबों से मेरा दिमाग जितना आगे जा सकता है उतना मेरे पैर मेरे शरीर को नहीं ले जा सकते हैं. दोनों के होने का मतलब होगा कि आप दोगुनी दूर जा पाएंगे."

दो हफ्ते बाद, नोआह, उसकी माँ और मौसी डोरा वापस रेलवे स्टॉप पर गए.

मिसेज़ बिडसन ने अपनी बहन को एक अश्रुपूर्ण चुंबन दिया.

जब नोआह ने मौसी डोरा को गले लगाया, तो उन्होंने नोआह को एक पत्र दिया. "जब तुम घर पहुँचों, तभी इसे पढ़ना," उन्होंने कहा.

नोआह उस रात देर से घर लौट. वो मौसी डोरा का पत्र बाहर ले गया और उसने उसे अकेले ही पढ़ा.

प्रिय नोआह,

अभी मैं पूर्व की ओर जाने वाली ट्रेन में हूँ. तुम प्रेयरी के सितारों के नीचे होगे. लेकिन क्योंकि अब तुम पढ़-लिख सकते हो, इसलिए चाहे हम कितनी भी दूर क्यों न हों, हम हमेशा एक-दूसरे से बातचीत कर सकते हैं.

तुम्हारी प्यारी मौसी,

डोरा

उसी रात नोआह बैठा और उसने अपना पहला पत्र लिखा.

प्रिय मौसी डोरा,
मैं प्रेयरी पर रहता हूँ, लेकिन अब
मैं पूरी दुनिया को पढ़ सकता हूँ.
आपका प्यारा भांजा
नोआह